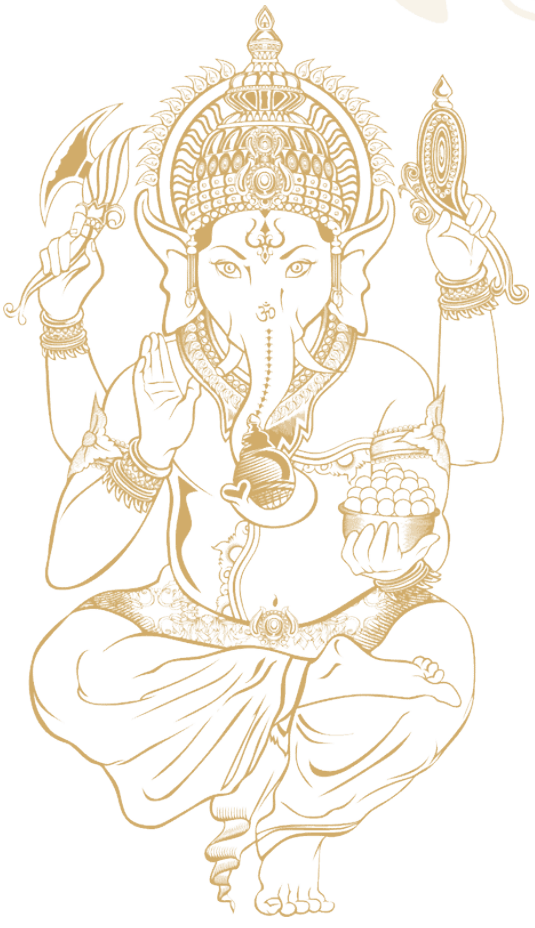

Mr.garvit

Ms.khushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120361402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/03/2002	जन्म तिथि	08/05/2002
सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 10:23:00	जन्म समय	09:24:00 घंटे
घटी 09:36:21	जन्म समय(घटी)	09:36:55 घटी
India	देश	India
Aligarh	स्थान	Kasganj
27:54:00 उत्तर	अक्षांश	27:48:00 उत्तर
78:04:00 पूर्व	रेखांश	78:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:44	स्थानिक संस्कार	-00:15:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:32:27	सूर्योदय	05:31:07
18:23:38	सूर्यास्त	18:53:15
23:52:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:05

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 0मा 16दि	09:47:02	वृष	लग्न	मिथु	20:32:12	शनि 15वर्ष 4मा 12दि
राहु	26:33:10	कुंभ	सूर्य	मेष	23:30:24	बुध
27/03/2008	25:09:06	मक	चंद्र	मीन	05:52:59	19/09/2017
28/03/2026	12:52:41	मेष	मंगल	वृष	22:37:22	19/09/2034
राहु 08/12/2010	04:56:28	कुंभ	बुध	वृष	13:40:14	बुध 15/02/2020
गुरु 03/05/2013	11:53:26	मिथु	गुरु	मिथु	18:13:33	केतु 11/02/2021
शनि 09/03/2016	10:00:54	मीन	शुक्र	वृष	21:10:55	शुक्र 13/12/2023
बुध 26/09/2018	15:02:39	वृष	शनि	वृष	20:28:07	सूर्य 19/10/2024
केतु 15/10/2019	29:09:13	वृष व	राहु व	वृष	24:22:23	चन्द्र 20/03/2026
शुक्र 14/10/2022	29:09:13	वृश्चि व	केतु व	वृश्चि	24:22:23	मंगल 17/03/2027
सूर्य 08/09/2023	02:22:42	कुंभ	हर्ष	कुंभ	04:40:46	राहु 04/10/2029
चन्द्र 09/03/2025	16:03:25	मक	नेप	मक	17:05:19	गुरु 10/01/2032
मंगल 28/03/2026	23:43:15	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	23:09:03	शनि 19/09/2034

लग्न-चलित

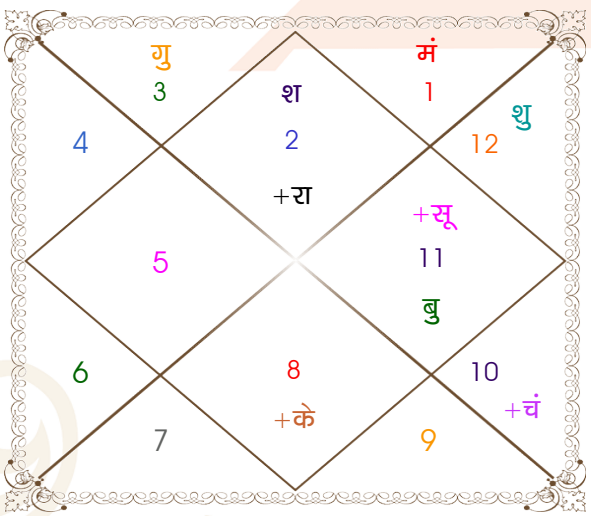

लग्न-चलित

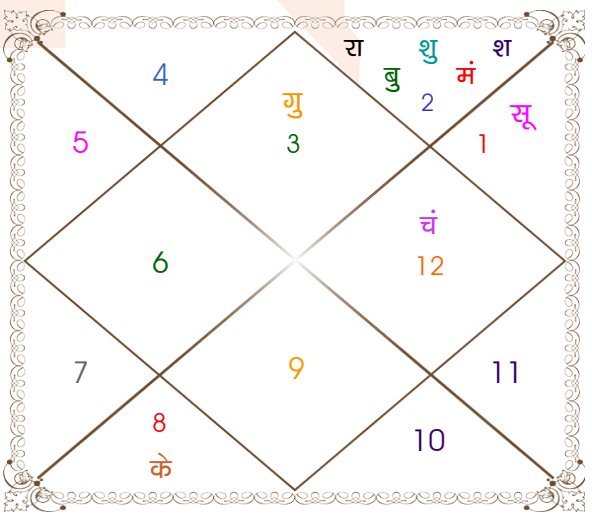

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	गौ	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr.garvit का वर्ग मार्जार है तथा Ms.khushi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.garvit और Ms.khushi का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.garvit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.garvit कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.garvit कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.khushi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.khushi कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.khushi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.khushi कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms.khushi कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.garvit तथा Ms.khushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।